एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 07 (जुलाई, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

कृषि छात्रों में अभिप्रेरणा की भूमिका

*संदीप कुमार
सहायक आचार्य, प्रसार शिक्षा, सुरेंद्र कौर मेमोरियल कृषि महाविद्यालय, पदमपुर, राजस्थान, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: sandeepbhaducoa@gmail.com

कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और भविष्य में इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र के भविष्य को आकार देने की जिम्मेदारी आज के कृषि छात्रों के कंधों पर है। हालांकि, कृषि शिक्षा प्राप्त करना एक चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल और क्षेत्र की गहरी समझ की आवश्यकता होती है। इस यात्रा में, छात्रों की सफलता और समर्पण को निर्धारित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है - **अभिप्रेरणा**।

अभिप्रेरणा, वह आंतरिक शक्ति है जो व्यक्तियों को किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है, उन्हें ऊर्जा प्रदान करती है और उन्हें दृढ़ता से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। कृषि छात्रों के संदर्भ में, अभिप्रेरणा उन्हें कृषि विज्ञान के जटिल सिद्धांतों को समझने, खेतों में कड़ी मेहनत करने, नई तकनीकों को सीखने और अंततः एक सफल कृषि पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करती है।

कृषि शिक्षा में अभिप्रेरणा का महत्व अनेक स्तरों पर अनुभव किया जा सकता है-

- **अकादमिक प्रदर्शन:** उच्च स्तर की अभिप्रेरणा वाले छात्र कक्षा में अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, नियमित रूप से अध्ययन करते हैं और परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वे ज्ञान प्राप्त करने के लिए उत्सुक रहते हैं और विषय वस्तु की गहरी समझ विकसित करते हैं।
- **कौशल विकास:** कृषि केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक ही सीमित नहीं है। इसमें विभिन्न प्रकार के व्यावहारिक कौशल शामिल हैं, जैसे कि खेत की तैयारी, बुवाई, सिंचाई, फसल सुरक्षा और कटाई। अभिप्रेरित छात्र इन कौशलों को सीखने और अभ्यास करने में अधिक रुचि दिखाते हैं, जिससे वे भविष्य के लिए बेहतर ढंग से तैयार होते हैं।
- **समस्या-समाधान और नवाचार:** कृषि एक गतिशील क्षेत्र है जो लगातार नई चुनौतियों का सामना करता है। अभिप्रेरित छात्र समस्याओं को रचनात्मक रूप से हल करने और कृषि पद्धतियों में नवाचार लाने के लिए अधिक इच्छुक होते हैं। वे नई तकनीकों और टिकाऊ कृषि विधियों को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।
- **कैरियर के प्रति दृष्टिकोण:** जिन छात्रों में उच्च स्तर की अभिप्रेरणा होती है, वे कृषि को सिर्फ एक व्यवसाय के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे एक सार्थक और सम्मानित करियर के रूप में मानते हैं। वे कृषि क्षेत्र में अपना योगदान देने और समाज के लिए कुछ सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उत्साहित रहते हैं।
- **चुनौतियों का सामना करना:** कृषि शिक्षा और करियर दोनों में कई चुनौतियां आती हैं, जैसे कि मौसम की अनिश्चितता, कीटों का प्रकोप, बाजार की अस्थिरता और कड़ी मेहनत की आवश्यकता। अभिप्रेरित छात्र इन चुनौतियों का सामना करने और उनसे उबरने के लिए अधिक दृढ़ संकल्पित होते हैं।

कृषि छात्रों की अभिप्रेरणा को प्रभावित करने वाले कारक

कई आंतरिक और बाहरी कारक कृषि छात्रों की अभिप्रेरणा के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं:

- **व्यक्तिगत रुचि और जुनून:** यदि छात्र वास्तव में कृषि और ग्रामीण जीवन में रुचि रखते हैं, तो उनकी आंतरिक अभिप्रेरणा स्वाभाविक रूप से उच्च होगी।
- **लक्ष्य और आकांक्षाएं:** स्पष्ट करियर लक्ष्य और कृषि क्षेत्र में कुछ हासिल करने की आकांक्षा छात्रों को प्रेरित करती है।
- **सफलता का अनुभव:** अकादमिक और व्यावहारिक कार्यों में सफलता का अनुभव छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

- **शिक्षक और शैक्षणिक माहौल:** प्रेरित और सहायक शिक्षक, सकारात्मक कक्षा का माहौल और प्रभावी शिक्षण विधियां छात्रों की अभिप्रेरणा को बढ़ावा दे सकती हैं।
- **पारिवारिक और सामाजिक समर्थन:** परिवार और समुदाय का समर्थन छात्रों को आत्मविश्वास और प्रोत्साहन प्रदान करता है।
- **अवसर और प्रोत्साहन:** इंटर्नशिप के अवसर, छात्रवृत्ति, पुरस्कार और मान्यता छात्रों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **कृषि क्षेत्र की छवि:** यदि कृषि को एक आकर्षक और प्रगतिशील क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो अधिक युवा इसकी ओर आकर्षित होंगे और प्रेरित महसूस करेंगे।

कृषि छात्रों में अभिप्रेरणा बढ़ाने के लिए रणनीतियाँ

कृषि शिक्षा संस्थानों और शिक्षकों को छात्रों की अभिप्रेरणा बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए:

- **रोचक और व्यावहारिक शिक्षण विधियाँ:** पारंपरिक व्याख्यान विधियों के बजाय, अनुभवात्मक शिक्षा, क्षेत्र भ्रमण, केस स्टडीज और परियोजना-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।
- **सकारात्मक और सहायक वातावरण:** छात्रों के साथ सम्मानजनक और मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और उन्हें अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- **सफलता को पहचानना और पुरस्कृत करना:** छात्रों की उपलब्धियों को पहचानना और उन्हें पुरस्कृत करना उनकी अभिप्रेरणा को बढ़ाता है।
- **स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण में मदद करना:** छात्रों को अपने करियर लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए योजना बनाने में मदद करना चाहिए।
- **प्रेरक वक्ताओं और सफल कृषि पेशेवरों से बातचीत:** छात्रों को सफल किसानों और कृषि विशेषज्ञों से मिलने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करना चाहिए।
- **इंटर्नशिप और व्यावहारिक अनुभव के अवसर:** छात्रों को वास्तविक कृषि परिवेश में काम करने का अवसर प्रदान करना चाहिए ताकि वे व्यावहारिक कौशल सीख सकें और क्षेत्र की चुनौतियों को समझ सकें।
- **कृषि के महत्व और संभावनाओं पर जोर देना:** छात्रों को कृषि के सामाजिक और आर्थिक महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए और उन्हें इस क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में बताना चाहिए।

निष्कर्ष

कृषि छात्रों में अभिप्रेरणा एक महत्वपूर्ण शक्ति है जो न केवल उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाती है बल्कि उन्हें भविष्य के लिए एक कुशल और समर्पित कृषि पेशेवर बनने में भी मदद करती है। कृषि शिक्षा संस्थानों, शिक्षकों, परिवारों और समाज को मिलकर काम करना होगा ताकि छात्रों के भीतर इस आंतरिक प्रेरणा को पोषित और विकसित किया जा सके। एक अभिप्रेरित कृषि छात्र ही भविष्य की कृषि को अधिक टिकाऊ, कुशल और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।